तीव्र पुरुषार्थ - 22

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ आप लोग मुख्य स्लोगन लिखते भी हो **विनाश काले प्रीत बुद्धि पाण्डव विजयन्ती** और **विनाश काले विपरीत बुद्धि विनशयन्ती।** इस स्लोगन को सारे दिन में अपने आप से लगाते हो कि कितना समय प्रीत बुद्धि अर्थात् विजयी बनते हैं। और कितना समय विपरीत होने से हार खा लेते हैं? जब माया से हार खाते हो तो क्या प्रीत बुद्धि हो? प्रीत बुद्धि अर्थात् विजयी।

➳ _ ➳ तो जब दूसरों को सुनाते हो कि विनाश काले विपरीत बुद्धि मत वनो; प्रीत बुद्धि वनो तो अपने को भी देखते हो कि इस समय हम प्रीत वृद्धि हैं वा विपरीत वृद्धि हैं? **प्रीत बुद्धि वाला कभी श्रीमत के विपरीत एक संकल्प भी नहीं उठा सकता।** ऐसे विनाश काले प्रीत बुद्धि बने हो अर्थात् **एक ही लगन में एकरस स्थिति वाले बने हो?**

(02/02/1972)

➢➢ 7 Functions of Intellect

➳ _ ➳ DISCRIMINATE

→ परखना

- यह श्रीमत है ? मनमत है ? परमत है ?

➳ _ ➳ DECIDE

→ निर्णय करना

- हम जीवन में क्या करें ?

➳ _ ➳ जज करना / फैसला करना

→ किसी दुसरे के लिए फैसला लेना

➳ _ ➳ IMBIBE

→ धारण करना

➳ _ ➳ UNDERSTAND

→ समझना

➳ _ ➳ REASONING

→ तर्क करना

➳ _ ➳ MEMORISE

→ याद रखना

→ PURER THE MIND

- Easier It IS To Memorize
- Easier It IS To Control
- Easier It IS To Concentrate